

# GOD'S SIMPLE PLAN OF SALVATION FROM JOHN



**Why did Jesus die?**

## **1. Man by nature does evil (wrong).**

**It is not hard to admit that we all have done things that we know is wrong, but yet we do them anyway. That is called sin! We all are guilty of it we have been doing it since we were born.**

John 3:19 তাৰে দুষ্টি সাইবস্তো করা অইছে, কারন দুনিয়াত নুর জাইর অইছে। অইলে মানষৰ বদ কামৰ লাগি নুর নুর থাকি আন্দাইরৰে বেশি ভালা পাইছে।

Romans 3:23 For all have sinned, and come short of the glory of God;



**We are all sinners!**

## **2. By that nature we are condemned.**

John 6:40 আমার বাফর মুনশা অইলো, যারা তান পুতরে দেখিয়া তান উপরে ইমান আনে, তারা যানু আখের পায়। আর আমিউ তারারে রোজ হাশরো জিন্দা করি তুলমু।”

John 3:18 যে জনে অউ মায়ার জনর উপরে ইমান আনে, তার কুন্সু বিচার অয় না, অইলে যে ইমান আনে না, তারে আগেউ দুষি সাইবস্তো করা অইগেছে। কারন আল্লার একমাত্র মায়ার জন, ইবনুল্লার উপরে হে ইমান ইমান আনছে না।

John 3:36 যে মানষে আল্লার খাছ মায়ার জনর উপরে ইমান আনছে, হে আখেরি জিন্দেগি পাইলিছে। অইলে যে যে তানরে মানে না, হে কুন্সুমন্তেউ আখের পাইতো নায় বরং তার উপরে আল্লার গজব পড়ব।



**There is a cost for sin!**

### **3. Jesus was in the world and he died for us.**

John 14:6 ইছায় কইলা, “আমিউ পথ, আমিউ হক আর আমিউ জিন্দেগি। আমার উছিলা ছাড়া কুন্সু মানুশউ গাইবি বাফর গেছে যাইতো পারে না।

John 3:17 “আল্লায় মানষরে দুষি পরমান করার লাগি তান মায়ার জনরে দুনিয়াত পাঠাইছইন না। অউ মায়ার জনর খাতিরে মানষে যাতে নাজাত পায়, এরলাগিউ পাঠাইছইন।

John 1:10, 12 অউ দুনিয়াত তাইন আছলা, দুনিয়া তান উছিলায় পয়দা অইছে, তা-ও দুনিয়ার মানষে তানরে চিনলো না। অইলে যতো জনে তান উপরে ইমান আনিয়া তানরে কবুল করলা, এরা পরতেক জনরে তাইন আল্লার খাছ আওলাদ, মানি মায়ার জন বনার এখতিয়ার দিলা।

### **4. Salvation is a free gift, not by good works. You must take God’s word for it, and trust Jesus alone!**

Salvation is trusting and receiving Jesus Christ as your Savior. It's trusting in the fact that Jesus Christ died on the cross of Calvary to pay for your sins! It's realizing there is absolutely nothing whatsoever you can do to save yourself and *completely* trusting in Jesus Christ to save you! It's not any church that saves. It's not any baptism,

not good works, not sacraments, not repenting, not praying through, not living a good life — **IT'S NOT ANYTHING YOU CAN DO!**

Acts 4:12 Neither is there salvation in any other: for there is none other name under heaven given among men, whereby we must be saved.

Ephesians 2:8-9 For by grace are ye saved through faith; and that not of yourselves: it is the gift of God: Not of works, lest any man should boast.

Titus 3:5 Not by works of righteousness which we have done, but according to his mercy he saved us, by the washing of regeneration, and renewing of the Holy Ghost;

## **5. You must believe on the Lord and you will have everlasting life!**

John 5:24 “আমি আপনারা হাছা কথা কইরাম, যে জনে আমার কালাম হুনে আর যেইন আমারে পাঠাইছইন তান উপরে ইমান আনে, হে তো আখেরি জিন্দেগি পাইলিছে। তারে আর দুষি সাইবস্তো করা অইতো নায়। হে তো হে তো মউত থাকি জিন্দেগিত পাড়ি দিলাইছে।

John 6:47 আমি তুমরাে নিচ্চিত হাছা কথা কইরাম, যে জনে আমার উপরে ইমান আনছে, হে লগে লগেউ আখের পাইলিছে।

John 10:28 আমি তারারে আখেরি জিন্দেগি দান করি, তারা কুনু সময় বিনাশ অইতা নায়। কেউ আমার গেছ থনে তারারে কাড়িয়া নিতো নায়।



*If you want to accept Jesus Christ as your Savior and receive forgiveness from God, here is prayer you can pray. Saying this prayer or any other prayer will not save you. It is only trusting in Jesus Christ that can provide forgiveness of sins. This prayer is simply a way to express to God your faith in Him and thank Him for providing for your forgiveness.*



"Lord,

**I know that I am a sinner. I know that I deserve the consequences of my sin which is death and hell. However, I am trusting in Jesus Christ as my Savior. I believe that His death and resurrection provided for my forgiveness. I trust in Jesus and Jesus alone as my personal Lord and Savior. Thank you Lord, for saving me and forgiving me! Amen!"**

**If you just prayed that prayer — according to the Word of God — YOU ARE SAVED! HALLELUJAH!**

You say, but I don't feel any different. Guess what? Your salvation does not depend on your feeling. **It ALL depends on doing what God SAID!**

God said if you receive and trust in Jesus Christ you are saved. Notice it does NOT say you "might" or "could" be saved — but "shall be saved". **YOU ARE SAVED!**

For whosoever shall call upon the name of the Lord shall be saved. Romans 10:13

Didn't you just believe on the Lord Jesus Christ? Look at what John 3:36 says! It says you **HATH EVERLASTING LIFE!** Not "maybe" or "hope so" — **BUT HATH — YOU ARE SAVED!**

যে মানষে আল্লার খাছ মায়ার জনর উপরে ইমান আনছে, হে আখেরি জিন্দেগি পাইলিছে। অইলে যে তানরে মানে না, হে কুনুমন্তেউ আখের পাইতো নায় বরং তার উপরে আল্লার গজব পড়ব। John 3:36

Friend, if you prayed the prayer and received Jesus Christ — **YOU ARE SAVED! You did what God said — AND GOD CANNOT LIE!**